झोटवाड़ा में कैशियर को गोली मारकर बैंक लूटने का प्रयास

झोटवाड़ा इलाके में जोशी मार्ग स्थित पंजाब नेशनल बैंक की घटना

जयपुर। कैशियर की बहादुरी के चलते शुक्रवार को जयपुर के झोटवाड़ा स्थित जोशी मार्ग पर स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) बैक लूटने से बच गया और हथियारबंद दोनों नकाबपोश बदमाश भी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। हालांकि घटना में बदमाशों की गोली लगने से कैशियर गंभीर घायल हो गया। उसे इलाज के लिए मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार आरोपी भरत सिंह मीणा (36) निवासी आजाद चौक कोटपूतली, हाल हरिनगर सिविल लाइन सोडाला जयपुर और मनोज मीणा (29) निवासी मेहराणा भादरा हनुमानगढ़ है। पुलिस ने आरोपियों से एक पिस्टल व कारतूस बरामद किए है। पुलिस ने कैशियर के पर्चा बयान पर विभिन्न धाराओं मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वहीं घायल कैशियर को उपचार के दौरान ब्लड की जरुरत पड़ी। इस पर विद्याधर नगर थानाधिकारी दिलीप खदाव और झोटवाड़ा थाने में तैनात एएसआई राजेंद्र सिंह ने रक्तदान किया।

पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया झोटवाड़ा में जोशी मार्ग स्थित पीएनबी बैंक की शाखा में सुबह करीब पौने दस बजे दो नकाबपोश बदमाश घुसे। उन्होंने बंदूक दिखाकर वहां पर मौजूद बैंक कर्मचारियों को एक कमरे में बिठा दिया। इसी दौरान कैशियर वहां पर पहुंचा तो उसने बदमाशों का विरोध किया। इस पर बदमाश ने उस पर फायर कर दिया। गोली लगने से कैशियर नरेंद्र सिंह शेखावत निवासी गणेश नगर विस्तार करधनी घायल हो गया। उसके एक गोली पेट में और दूसरी पैर में लगी। उसने पुलिस को बताया कि वह बैंक में हेड कैशियर के पद पर कार्यरत है। वह सुबह पौने दस बजे बैंक पहुंचा और बैंक के स्ट्रॉंग रुम के अलार्म को बंद करने के लिए रूम के पास गया। इस दौरान वहां दो व्यक्ति पहले से मौजूद थे। मैंने जैसे स्ट्रॉंग रुम खोलना चाहा तो उन दोनों में से एक बदमाश ने मुझे गोली मारी और दूसरे ने मुझे पकड़ लिया। मेरे पहली गोली दाहिनी ओर पेट पर, दूसरी पीठ पर तथा तीसरी गोली बायी ओर सीने के पास लगी।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई ने बताया कि वारदात को अंजाम देने से पहले संभव दोनों बदमाशों ने बैंक की पहले रेकी की होगी। बैंक में 8 कर्मचारी काम करते हैं। रोज की तरह सुबह साढ़े नौ बजे बैंक खुला था। बैंक में मैनेजर मनीष सैनी, महिला कर्मचारी विनेश चौधरी और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रमेश सैनी मौजूद थे। तभी लूट को अंजाम देने बदमाश बैंक में आए। दोनों के पास जो हथियार थे, उसमें से एक कंट्री मेट हथियार है। वहीं, दूसरे के पास लोगों को डराने के लिए डमी पिस्टल थी। फायरिंग की आवाज सुनकर चेतक में मौजूद

आरोपी भरत मीणा और मनोज मीणा

वारदात स्थल पर मिले हथियार

पंजाब नेशनल बैंक में फायरिंग के बाद पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।

- बैंक में गोली चलने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंची महिला कांस्टेबल ने एक बदमाश को लोगों की मदद से पकड़ा
- कैशियर के साथ धक्का मुक्की में पैर में गोली लगने से घायल हुए दूसरे बदमाश को पुलिस ने पांच किलोमीटर दूर ऑर्विट मॉल के पास से दबोचा

एक महिला कांस्टेबल मौके पर पहुंची, जिसने आरोपी भरत को पकड़ लिया। वारदात करने के लिए वह मौसेरे भाई को लेकर आया था। पुलिस ने मौके से भागे दूसरे बदमाश मनोज मीणा को पुलिस ने दोपहर में पकड़ लिया। उसके भी पैर में चोट लगी है।

गोली चलने की आवाज सुनकर मचा हड़कंप

बैंक के अंदर गोली चलने की आवाज सुनकर आस-पास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। लहूलुहान हालत में बैंक कर्मचारी जमीन पर गिर गया। जिसे देखकर बदमाश बैंक से बाहर की ओर दौड़े। बैंक लूटने आए एक बदमाश की लोगों ने पकड़कर पिटाई कर दी। वहीं दूसरे को पकड़ने के लिए पुलिस ने शहर में ए-श्रेणी की नाकाबंदी करवाई है।

घटना के बाद का एक सीसीटीवी भी सामने आया है। बैंक से थोड़ा आगे एक शॉप पर लगे कैमरे में एक बदमाश कैद हो गया। इसमें बदमाश मौके से भागता हुआ नजर आ रहा है। पुलिस ने बताया दोनों बदमाश पहले बैंक के एटीएम में गए। थोड़ी देर वहीं रुके रहे। फिर बैंक के अंदर आए।

बदमाश को पकड़ने गई महिला कांस्टेबल घायल

घटना से कुछ समय पहले ही बैंक के पास से पीसीआर वैन गुजरी थी। वहां पर एक महिला कांस्टेबल खड़ी थी। महिला कांस्टेबल मैनका ने गोली की आवाज सुनकर बैंक की तरफ भागी तो एक युवक भागता नजर आया। महिला कांस्टेबल ने उसे पकड़ लिया, लेकिन बदमाश ने उसके सिर पर बार कर दिया और वहां से छुड़ाकर भागने लगा। इसी दौरान मौके पर खड़े लोगों ने बदमाश को पकड़ का प्रयास किया, लेकिन वह 2-3 लोगों की पकड़ से छूटकर भागता रहा। आखिर में फायरिंग की आवाज सुनकर जमा भीड़ ने उसे पकड़ लिया और रस्सी से पैर बांध दिए। महिला कांस्टेबल ने घटना की पीसीआर वैन को सूचना दी। इस पर पीसीआर वैन मौके पर पहुंची और बदमाश को पकड़कर थाने ले गई। पकड़े गए बदमाश ने चलती पीसीआर से कूदकर भागने की कोशिश की। रोड पर गिरने पर उसका पैर फैक्चर हो गया। झोटवाड़ा थाना पुलिस उसे इलाज के लिए कांवटिया अस्पताल लेकर गई है। घटना के बाद मौके पर पुलिस के आलाधिकारी पहुंच गए। एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम ने मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए।

खून बहता रहा, फिर भी 5 कि.मी. भागा बदमाश

फायरिंग के दौरान दूसरा बदमाश मनोज भी घायल हो गया। उसके पैर से खून रिसने लगा। वह बैंक से भाग निकला। सड़क पर काफी दूर तक खून बिखरा नजर आया। मनोज को नाकाबंदी के दौरान घटना स्थल से करीब 5 किलोमीटर दूर आर्बिट मॉल से पकड़ लिया गया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कैलाश विश्नोई ने बताया कि बदमाश हार्डकोर बदमाश है। इनका रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। मनोज भरत के मौसी का लड़का बताया जा रहा है। बैंक में कैशियर से मनोज की धक्का-मुक्की हुई। धक्का-मुक्की के दौरान फायरिंग में कैशियर घायल हो गया तो एक गोली मनोज के पैर में लगी। गोली लगने के बाद जान बचाकर मनोज वहां से भाग निकला। रोड पर 100-150 मीटर तक खून बिखरा था।

बदमाशों ने नवम्बर से शुरू कर दी थी रैकी

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कैलाश विश्नोई ने बताया कि दोनों बदमाशों ने नवम्बर माह में बैंक की रेकी शुरू कर दी। दोनों बार-बार बैंक में आते और वहां की गतिविधियों की जानकारी जुटाते रहे। सभी जानकारी जुटाने के बाद बदमाशों ने यहां पर लूट की योजना बनाई। बैंक में लूट के समय कितनी राशि रखी थी इसकी भी जानकारी ली जा रही है। बदमाशों के पास से एक पिस्टल मय कारतूस जब्त की गई है।

रामबाग सर्किल से बी-टू-बाईपास तक 6.5 कि.मी. में नए सिरे से रि-डवलपमेंट होगा

मुख्य टोंक रोड पर सड़क के दोनों तरफ 125 मीटर गहराई तक का क्षेत्र इसमें शामिल होगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में टोंक रोड पर रामबाग सर्किल से बी-टू- बाइपास तक 6.5 कि.मी. क्षेत्र में सड़क के दोनों तरफ 125 मीटर गहराई तक का नए सिरे से रि-डवलपमेंट होगा। ग्रेटर नगर निगम प्रशासन ने इसके लिए लोकल एरिया प्लान की सीमा का निर्धारण कर दिया है। इसमें टोंक रोड पर दोनों तरफ आने वाले एरिया की सीमा निर्धारण की गई है। आगामी भविष्य में जयपुर में किस तरह की चुनौतियां आएंगी, उनसे किस तरह निबटा जाए। इन तमाम मुद्दों को ध्यान में रखते हुए इस साढ़े 6 किलोमीटर क्षेत्र का नए सिरे से विकास प्लान तैयार किया जायेगा। हालांकि नगर निगम इसमें किसी तरह की कोई जमीन अवाप्त नहीं करेगा।

इस प्रोजेक्ट के लिए बेटरमेंट चार्ज, प्रधानमंत्री आवास योजना प्रोजेक्ट, निजी-जनभागीदारी (पी.पी.पी.), सरकारी जमीन का व्यावसायिक उपयोग कर, केंद्र और राज्य सरकार की मदद से पैसा एकत्रित किया जायेगा।

नगर निगम ग्रेटर के अतिरिक्त नगर नियोजक रविराय वर्मा ने बताया कि केन्द्र सरकार की योजना के तहत यह सीमा निर्धारण का काम किया गया है। इसके लिए स्कूल आफ आर्किटेक्ट एंड प्लानिंग (सेप) ने जयपुर के इस 6.5 किमी के एरिया की 2 साल तक बाकायदा स्टडी की है। उसके बाद ग्रेटर निगम प्रशासन ने यह सीमा निर्धारित की है। यह क्षेत्र जयपुर शहर का सबसे

- कई शहरों के लोकल एरिया प्लान और 2 वर्ष तक जयपुर की स्टडी करने के बाद सामने आया प्लान
- ग्रेटर निगम प्रशासन ने इस बदलाव के लिए लोकल एरिया प्लान की सीमा तय की

महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें एयरपोर्ट का हिस्सा है। भविष्य में मेट्रो चलनी है। इसमें किस तरह का नए सिरे से विकास किया जाए, इसका निर्धारण अभी होना बाकी है। उसके लिए अलग से प्लानिंग की जाएगी।

वर्मा ने बताया कि टोंक रोड पर रामबाग से बी टू बाइपास तक 6.5 किमी में आने वाले एरिया में किसी तरह की कोई अवाप्ति नहीं की जाएगी। इस एरिया में आने वाले इलाकों में लोगों की जरूरतों को देखते हुए किस तरह की प्लानिंग की जाए। इसका निर्धारण किया जाएगा। यहां भविष्य में ऊंची इमारतों, छोटे प्लाटों का पुर्नगठन कर बड़ी इमारतों की अनुमति, पार्किंग, सामुदायिक केन्द्र किस तरह बनाए जाए, उसे शामिल किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि लोकल एरिया प्लान में जोनल प्लान जो पहले से बना हुआ है उसे भी शामिल करेंगे। यह मास्टर प्लान 2025 का हिस्सा होगा। इसमें जो भी बदलाव किए जाने हैं, उसे मास्टर प्लान और जोनल प्लान में शामिल करेंगे। जरूरत हुई तो जोनल प्लान में बदलाव भी किया जा सकता है। आने वाले गुजरात के कई शहर इस बदलाव का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें अहमदाबाद, सूरत, साबरमती रिवर फ्रंट जैसे इलाके हैं। जयपुर के लोकल एरिया प्लान में आने वाले रिहायशी और कार्मशियल इलाकों में बहुमंजिला इमारतों की ऊंचाई बढ़ान की अनुमति मिल सकती है।

सड़कों का नेटवर्क मास्टर प्लान के हिसाब से विकसित होगा, नई सड़कें भी बनेंगी। अभी चुने गए क्षेत्र में सार्वजनिक उपयोग का क्षेत्र बढ़ाया जाएगा। पार्किंग, पार्क, पब्लिक प्लेस और हरित क्षेत्र के लिए खुली जगह बढ़ाई जाएगी। अनुपयोगी पड़ी सरकारी जमीन का उपयोग व्यावसायिक दृष्टि से होगा।

> जयपुर नगर निगम ग्रेटर के लोकल एरिया प्लान को मंजूरी दे दी गई है। इसका नोटिफिकेशन भी हो गया है। प्लान में कनेक्टिविटी बढ़ाने पर सबसे ज्यादा जोर है। लोगों को उनकी करोड़ों की जमीन का अधिकतम एफ.ए.आर. (फ्लोर एरिया रेशो) देंगे, ताकि उसका समुचित उपयोग हो।
>
> रवि राय वर्मा, अतिरिक्त नगर नियोजक, ग्रेटर निगम

तीन एन.जी.ओ. को भारतीय स्टेट बैंक के एम.डी. ने सी.एस.आर. में वित्तीय मदद की

जयपुर, (का.सं.)। भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक (रिटेल बैंकिंग एवं परिचालन) विनय एम. तोन्से ने जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिये काम करने वाले तीन गैर सरकारी संगठनों को सी.एस.आर. के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की।

तोन्से ने 33 लाख रुपये की वित्तीय सहायता का चेक आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान जयपुर के अध्यक्ष बी.एल.शर्मा एवं सचिव एल.पी.कोठारी को सुपुर्द किया। यह सोसायटी नेत्रदान के बारे में जागरूकता फैलाने और आंखों की रोशनी बहाल करने तथा दृष्टिहीन गरीब लोगों को नि:शुल्क कोर्निया प्रत्यारोपण करने के लिये समर्पित है।

उन्होंने मानव सेवा समिति, कोटा के अध्यक्ष डॉ.गोविन्द्र राम मित्तल को 14.66 लाख रुपये की वित्तीय सहायता का चेक भी सौंपा। यह समिति समाज के कमजोर वर्ग की सेवा के लिये कोटा में "मैनकाइंड हॉस्पिटल" नामक अस्पताल चला रही है। समिति गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिये मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविरों की भी व्यवस्था करती है। चिकित्सा सुविधाओं से युक्त एम्बुलेंस की चाबी भी जयपुर कैलगिरी आई हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ट्रस्ट, जयपुर के अध्यक्ष के.के.भटनागर एवं सुनील माथुर, निदेशक को सौंपी गई। यह ट्रस्ट नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित करता है और गरीब और जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क नेत्र उपचार प्रदान करता है।

जयपुर कैलगिरी आई हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ट्रस्ट, जयपुर को दान की गई एम्बुलेंस को विनय तान्से, मुख्य महाप्रबंधक संदीप भटनागर, राजेश मिश्रा व अन्य अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाई। इसके बाद जयपुर विशेष शाखा सांगानेरी गेट के 100 वर्ष पूरे होने पर तोन्से ने प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

'सचिन के परिजनों को 1 करोड़ रुपए और सरकारी नौकरी मिले'

जयपुर, (का.प्र.)। जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आरआर तिवारी और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने सवाई मानसिंह अस्पताल मैं गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से सचिन शर्मा की मौत पर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए मृतक के परिवार को 1 करोड़ की आर्थिक मदद देने के साथ ही परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

खाचरियावास ने अस्पताल पहुंचकर गलत ब्लड ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से 22 वर्षीय नौजवान सचिन शर्मा की मौत के लिए भाजपा सरकार की प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार मानते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल से सचिन शर्मा के परिवार को एक करोड रुपए मुआवजा और परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की तथा राजस्थान की जनता को यह विश्वास दिलाने की मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटना घटित नहीं हो। खाचरियावास ने कहा कि मृतक सचिन शर्मा गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाने से तड़पता रहा और अंत में उसकी मौत हो गई। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों को सरकार का हनीमून पीरियड छोड़कर उससे और उसके परिवार से अस्पताल में आकर मिलने की फुर्सत तक नहीं मिली, क्योंकि सरकार का दर्द मर चुका है, उन्हें जनता से कोई सरोकार नहीं है। भाजपा सांसद चुनाव कैसे जीता जाए उसके मैनेजमेंट में लगी हुई है। कांग्रेस सरकारों के समय में दुर्घटना होने पर भी एक करोड़ और उससे अधिक का मुआवजा और सरकारी नौकरियां दी गई थी।

मां का भरण पोषण नहीं करने वाला बेटा संपत्ति से बेदखल

जयपुर। अपीलीय अधिकरण कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर ने वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण कानून से जुडे मामले में 90 साल की मां का भरण-पोषण व देखभाल नहीं करने वाले बेटे को मां की संपत्ति से बेदखल करने का आदेश दिया है। अधिकरण ने आदेश में कहा कि बेटे को अपीलार्थी मां संपत्ति बेदखल करें और अपीलार्थी के रहने में बेटा कोई बाधा पैदा नहीं करे। अधिकरण ने आदेश की पालना के लिए कॉपी एसडीएम को भेजी है। यह आदेश सुखरानी की अपील पर दिया। अपील में एसडीएम कोर्ट के एक दिसंबर 2022 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसके वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण कानून के तहत दायर प्रार्थना पत्र को बिना सुने ही खारिज कर दिया था।

मानसिक दिव्यांग बहन से दुष्कर्म करने वाले भाई और तीन दोस्तों को उम्रकैद

जयपुर, (का.सं.)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने दस साल की मानसिक दिव्यांग बहन के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त भाई और उसके तीन दोस्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्तों पर कुल छह लाख बीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा है कि अभियुक्त को शेष जीवन जेल में रखा जाए। पीठासीन अधिकारी संदीप कुमार शर्मा ने अपने आदेश में कहा की पीडिता स्वयं अपने परिजनों पर निर्भर थी और उसे ही बोझ समझकर घटना कारित हुई थी। ऐसे में उसके परिजनों को पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत कोई प्रतिकर दिलाना न्यायोचित नहीं है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया की 18 मई, 2020 को परिवादी ने मनोहरपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया की वह ईट थपाई का काम करता है। एक दिन पहले 17 मई को उसकी मानसिक दिव्यांग दस साल की बेटी दोपहर के समय खेलते-खेलते कहीं निकल गई। बच्ची की तलाश करने पर पुलिस को 21 मई को पास के जंगल से पीडिता की लाश मिली। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया की अभियुक्त भाई के बहकावे में आकर पीडिता उसके साथ जंगल की तरफ चली गई थी। इस दौरान अभियुक्त भाई ने अपने तीन दोस्तों को घटना में शामिल कर दिया। चारों अभियुक्त बच्ची को टोडी के पास पहाड़ी से गुजरने वाले रास्ते से जंगल ले गए और बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया।

नियमन शिविर रद्द करने की मांग

जयपुर। पृथ्वीराज नगर जोन-19 के ग्राम गोलवास में जे.डी.ए. की ओर से 26 फरवरी को लगाए जा रहे नियमन शिविर को निरस्त करने की मांग उठी है।

काश्तकार शंकर लाल शर्मा, रामस्वरूप अशोक शर्मा, कृष्ण शर्मा व चांदलाल समेत कई काश्तकारों ने खसरा नंबर 419 तथा 420 ग्राम गोलावास बाहुबली नगर विस्तार शंकर भवन गृह निर्माण सरकारी समिति के पट्टों को फर्जी बताते हुए नियमन कैंप को निरस्त करने की मांग रखी है। इनका कहना है कि उच्च न्यायालय में यह मामला वर्ष 2018 से विचाराधीन है, मुख्यमंत्री ने इस मामले की जांच के आदेश भी दिये हैं, इसके बावजूद जेडीए प्रशासन यह नियमन शिविर लगाने पर आमादा क्यों है।

सार-समाचार

हैंडलूम व टेक्सटाइल प्रदर्शनी शुरू

जयपुर। जयपुर क्लब में शिल्पकारी, हैंडलूम और टेक्सटाइल्स की एक अनोखी प्रदर्शनी का उद्घाटन मोटिवेशनल स्पीकर, छवि राजावत ने किया। इस अवसर पर सीआईआई-आईडब्लूएन राजस्थान की चेयरमैन तनूजा अग्रवाल, फोर्टी वूमेन विंग की प्रेसिडेंट, डॉ. सुनीता शर्मा वशिष्ठ अतिथि रहीं। प्रदर्शनी में देश भर से प्रख्यात हैंडलूम और टेक्सटाइल के उत्पाद एवं लाइफस्टाइल अक्सेसरीज़ हैं, जैसे की साड़ियाँ, ड्रेसेस, होम फर्निशिंग और फैब्रिक, हैंड बैग इत्यादि। छवि पंत, अनीता साहू, अर्चना डालमिया जैसे कई हस्तशिल्प प्रेमियों ने प्रदर्शनी को सराहा। छवि राजावत ने कहा, "यह प्रदर्शनी हमारे देश की हस्तशिल्प और हस्तकला की धरोहर का संरक्षण करने और उसे प्रोत्साहन देने का एक मंच है।" तनुजा अग्रवाल ने साझा किया, "मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ यह देखकर के इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न क्षेत्रों के हस्तशिल्प कारीगर एक ही छत के नीचे अपनी भिन्न कलाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं।" इस पर सुनीता शर्मा ने कहा कि, "भारत के प्राचीन हस्तशिल्प को लुप्त ना होने देना एवं हमारे पारम्परिक बुनकरों और कलाकारों को प्रोत्साहन देना हमारा सामाजिक कत्तर्व्य है।" प्रदर्शनी की क्यूरेटर, शिल्पी भार्गव ने साझा किया, "शिल्पकारी मेरा विशेष प्रयास है जिसके माध्यम से में देश भर के कुशल शिल्पकारों और बुनकरों को कला एवं हस्तशिल्प प्रेमियों से जोड़ सकूँ।" रोटरी क्लब जयपुर साउथ की प्रेसिडेंट एवं मैडिटेशन एक्सपर्ट, निर्मला सेवानी ने अपनी चांटिंग से प्रदर्शनी के उद्घाटन में अध्यात्म का माहौल बनाया। प्रदर्शनी का समय सुबह 11 बजे से शाम 8 बजे तक है।

कनिष्ठ लेखाकार भर्ती परिणाम रोका

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 का अंतिम परिणाम जारी करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत में राज्य सरकार और कर्मचारी चयन बोर्ड को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश पंकज कुमावत व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रघुनंदन शर्मा ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती के करीब 5400 पदों के लिए गत वर्ष भर्ती निकली थी। इस भर्ती में पदों के मुकाबले पंद्रह गुणा अभ्यर्थियों को स्नातक स्तर की समान पात्रता परीक्षा में पास हुए अभ्यर्थियों में से लिखित परीक्षा के लिए बुलाया गया। याचिका में कहा गया कि समान पात्रता परीक्षा 18 से 40 वर्ष के अभ्यर्थी शामिल होते हैं। वहीं कई अभ्यर्थी ऐसे भी होते हैं जिनके पास कंप्यूटर की डिग्री नहीं होती। वहीं कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती में आयु सीमा 21 से 40 साल रखी गई है और स्नातक के साथ-साथ कंप्यूटर की योग्यता भी अनिवार्य रखी गई है इस तथ्य की अनदेखी करते हुए चयन बोर्ड ने समान पात्रता परीक्षा से मेरिट में आने वाले अभ्यर्थियों को बुला लिया।

राज्य में भाजपा की सरकार बनीं तो 3 वर्ष बाद ग्रेटर निगम के 7 चेयरमैनों को मिली "पावर"

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने पहली बोर्ड मीटिंग में 17 समितियों के साथ बनाई थी 7 अतिरिक्त समितियां

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब ग्रेटर नगर निगम जयपुर के 7 चेयरमैनों को 3 वर्ष बाद उनकी शक्तियां (पावर) मिली है। अब तक यह संचालन समितियां सिर्फ कागजों में घूम रही थी। शुक्रवार को स्वायत्त शासन निदेशक सुरेश ओला ने 28 जनवरी 2021 को ग्रेटर निगम की बोर्ड बैठक में पारित प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए इन 7 अतिरिक्त कमेटियों को मंजूरी दी है। आदेश में कहा गया है कि यह आदेश सक्षम स्तर से अनुमोदित है।

दरअसल महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने 3 वर्ष पहले जब ग्रेटर निगम में सत्ता संभाली थी तो उन्होंने नगर पालिका एक्ट में उल्लेखित 17 समितियों के साथ-साथ 7 अतिरिक्त कमेटियां गठित कर 7 भाजपा पार्षदों विकास बारेठ, नरेन्द्र सिंह, गजेन्द्र चिराणा, शंकरलाल शर्मा, अरूण शर्मा, अक्षत खूंटेटा और लक्ष्मण लूणिवाल को चेयरमैन बनाया था। चूंकि डॉ. सौम्या गुर्जर ने यह 7 अतिरिक्त समितियां महापौर की शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाई थी, इसलिए इनकी मंजूरी राज्य सरकार से लेनी आवश्यक थी। जिस वक्त यह वाकया हुआ, तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी।

तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने इन 7 अतिरिक्त कमेटियों को मंजूरी नहीं दी। साथ ही अन्य चेयरमैनों की नियुक्ति का मामला भी हाईकोर्ट पहुंचा दिया, हालांकि अदालत से राहत मिलने के बाद 17 समितियां तो 'पावर' में आई, लेकिन इन 7 चेयरमैनों का अस्तित्व सिर्फ पार्षद होने तक ही सिमट कर रह गया। इन्हें बाकी 17 चेयरमैनों की तरह भत्ते और वाहन सुविधाएं नहीं मिली।

चेयरमैन का नाम	संचालन समिति का नाम
विकास बारेठ	नगरीय विकास कर समिति
नरेन्द्र सिंह	अवैध भवन निर्माण निरोधक समिति
गजेन्द्र चिराणा	सामाजिक सहायक एवं लोक कल्याण
शंकर लाल शर्मा	वर्षा जल पुर्नभरण एवं संरक्षण समिति
अरूण शर्मा	फुटकर व्यवसाय पुनर्वास समिति
अक्षत खूंटेटा	सीवरेज संधारण समिति
लक्ष्मण लूणिवाल	अतिक्रमण निरोधक समिति

- उस समय प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के कारण तत्कालीन यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल ने इन समितियों को मंजूरी नहीं दी, इस कारण यह 7 चेयरमैन सिर्फ पार्षद बने घूम रहे थे
- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने यह मामला इसलिए भी जानबूझकर अटकाया, क्योंकि हैरिटेज निगम में महापौर मुनेश गुर्जर ने पिछले 3 वर्ष में समितियां बनाकर चेयरमैन ही नहीं बनाए

चूंकि अब राज्य सरकार से इन 7 अतिरिक्त कमेटियों को हरी झंडी मिल गई है। इसलिए 28 जनवरी 2021 की बोर्ड मीटिंग में पारित प्रस्ताव के मुताबिक ही इन चेयरमैनों को समितियों का आवंटन होगा।

देखा जाए तो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जयपुर शहर को दो टुकड़ों में बांटकर जयपुर ग्रेटर और हैरिटेज निगम बनाए। हैरिटेज निगम में कांग्रेस ने निर्दलीयों के जोड़तोड़ से मुनेश गुर्जर को पहली महापौर भी बनाया, लेकिन 3 साल से ज्यादा समय बीतने के बावजूद वहां एक भी समिति का गठन नहीं हुआ और ना ही कोई पार्षद चेयरमैन बना। दूसरी तरफ जयपुर ग्रेटर नगर निगम की पहली बोर्ड मीटिंग में महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने 24 समितियों के गठन की घोषणा की तो उसके बाद राज्य सरकार ने इस मामले को अटका दिया। इसका एक कारण यह भी माना जा रहा था कि कांग्रेस सरकार नहीं चाहती थी कि ग्रेटर निगम में चेयरमैन बनने के बाद हैरिटेज निगम में भी यह मांग पुरजोर उठे, क्योंकि जिन निर्दलीयों ने कांग्रेस को समर्थन दिया, वे सभी चेयरमैन की कुर्सी लेने की जिद पर अड़े थे। यही कारण है कि हैरिटेज नगर निगम में पिछले 3 वर्षों में सिर्फ 1 साधारण सभा की बैठक हुई। यहां तक कि बजट प्रस्ताव भी सीधे राज्य सरकार को भेजकर ही पास करवाया जा रहा है। कुछ पार्षदों ने हैरिटेज निगम में बोर्ड मीटिंग बुलाने के लिए अदालत की शरण भी ली, लेकिन अभी तक मामला ज्यों का त्यों बना हुआ है।